भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: *162

06 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सहयोग हित और मैत्री क्यूब्स के लिए भारत स्वास्थ्य पहल

***162. श्री मनोज तिवारी:**

डॉ. निशिकान्त दुबे:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आपदा/सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति में आपातकालीन जीवन रक्षक नैदानिक देखभाल प्रदान करने में सहयोग हित और मैत्री के लिए भारत स्वास्थ्य पहल (भीष्म) क्यूब्स की भूमिका क्या है;
(ख) आघात, रक्तस्राव, जल जाने, हेमरेज और अन्य गंभीर स्थितियों जैसी आपात स्थिति में विविध स्वरूप के मामलों को देखने के लिए "भीष्म' क्यूब्स की क्षमता क्या है;
(ग) पहले चरण में रखे गए "भीष्म' क्यूब्स की कुल संख्या महाराष्ट्र के पालघर जिले सहित राज्य-वार और जिला-वार कितनी है; और
(घ) प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत करने में 'भीष्म' क्यूब्स से किस प्रकार सहायता मिलती है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

06 दिसम्बर, 2024 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *162 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): सहयोग हित और मैत्री हेतु भारत स्वास्थ्य पहल (भीष्म) क्यूब्स उन्नत मोबाइल मॉड्यूलर किट हैं जो आपदा या जन स्वास्थ्य की आपातकालीन स्थितियों के बाद के प्रारंभिक कुछ घंटों के दौरान रोगियों के उपचार प्रबंधन में उन्हें तीव्र और फर्स्ट लाइन चिकित्सा देखरेख प्रदान करने के लिए तैयार की गई हैं।

भीष्म क्यूब तीव्र तैनाती के लिए स्थिति के सर्वाधिक अनुरूप बनाए गए हैं जिन्हें दूरदराज के या तनावपूर्ण क्षेत्रों में तीव्र अनुक्रिया के लिए वायु, समुद्र, भूमि मार्ग से या ड्रोन द्वारा तुरंत पहुंचाया जा सकता है। विभिन्न तरीकों से तैनाती की क्षमता के चलते ये क्यूब सर्वाधिक कठिनतम क्षेत्रों में न्यूनतम समय में निश्चित तौर पर पहुंच सकते हैं।

भीष्म क्यूब विशेष तौर पर ट्रॉमा, हेमरिज (अत्यधिक रक्तस्राव), बर्न, फ्रैक्चर और अन्य घातक चोटों आदि आपातकालीन स्थितियों में विभिन्न प्रकार के रोगियों को संभालने के लिए तैयार किए गए हैं।

अपनी चिकित्सीय क्षमताओं के अलावा, प्रत्येक भीष्म क्यूब में अधिकतम पांच कार्मिकों के चिकित्सा दल के लिए 48 घंटे जीवित रहने के लिए आवश्यक रसद की व्यवस्था होती है। इसमें भोजन, पानी, आश्रय, पावर स्टेशन और जीवित रहने के लिए आवश्यक अन्य सहायता सामग्री शामिल हैं, जो यह सुनिश्चित करता है कि ये टीमें कठिन परिस्थितियों में आगे सहायता पहुंचने तक स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकती हैं।

(ग) और (घ): तैनाती के प्रारंभिक चरण में, भीष्म क्यूब मानवीय सहायता के लिए श्रीलंका, म्यांमार, उक्रेन भेजे गए हैं और प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान अयोध्या में भी इनका उपयोग हुआ है। वर्तमान में, महाराष्ट्र के पालघर जिले में भीष्म क्यूब तैनात करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

भीष्म क्यूब की तैनाती आपातकालीन स्वास्थ्य परिचर्या अनुक्रिया प्रणाली को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है, इससे स्वास्थ्य परिचर्या की सीमित उपलब्धता वाले क्षेत्रों में विशेषकर आपातकालीन स्थितियों के दौरान चिकित्सा संबंधी कमियों को पूरा किया जाता है। प्रभावित क्षेत्रों में इन मोबाइल इकाइयों के द्वारा तत्काल चिकित्सा देखभाल प्रदान की जाती है इससे चिकित्सा सेवा पहुंचने में लगने वाले समय को कम करके उत्तरजीविता की दर बढ़ जाती है। ये क्यूब स्वास्थ्य परिचर्या के विकेंद्रीकृत विकल्प प्रदान करते हैं, जो विशेषकर ग्रामीण या दूरदराज के क्षेत्रों में अधिक उपयोगी हैं। आपदा वाले स्थान के समीप तीव्र स्थिरीकरण और उपचार प्रदान करते हुए, भीष्म क्यूब मरीजों से अभिभूत स्थानीय अस्पतालों पर दबाव कम करने और रोगियों के स्थिरीकरण तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें मध्यम या विशिष्ट स्तर के स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केंद्र में स्थानांतरित करने में मदद करते हैं। चिकित्सा सेवा का यह प्रारूप संकट के दौरान अधिक तीव्र और सुदृढ़ चिकित्सा अनुक्रिया सुनिश्चित करते हुए आपातकालीय स्वास्थ्य परिचर्या के समग्र कार्यढांचे को सहायता प्रदान करता है।

****